



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 2, 1988 (पौष 12, 1909)  
No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 2, 1988 (PAUSA 12, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—रक्षा मंत्रालय को छोड़कर भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिवासियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, न्यायिक और न्यायशास्त्रीय परिषद, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों के प्राधिकार के अधीन व्यवसाय द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के धाकड़ों को दिखाने वाला प्रमाणपत्र
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई है।

## CONTENTS

	PAGES		PAGES
<b>PART I—SECTION 1—</b> Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1	<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)</b> —Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including By-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
<b>PART I—SECTION 2—</b> Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1	<b>PART II—SECTION 4—</b> Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
<b>PART I—SECTION 3—</b> Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders Issued by the Ministry of Defence	1	<b>PART III—SECTION 1—</b> Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1
<b>PART I—SECTION 4—</b> Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1	<b>PART III—SECTION 2—</b> Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	1
<b>PART II—SECTION 1—</b> Acts, Ordinances and Regulations	*	<b>PART III—SECTION 3—</b> Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
<b>PART II—SECTION 1-A—</b> Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	<b>PART III—SECTION 4—</b> Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
<b>PART II—SECTION 2—</b> Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	<b>PART IV—</b> Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1
<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—</b> General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	<b>PART V—</b> Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	—
<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—</b> Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय का छाड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

योजना आयोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 नवम्बर, 1987

संकल्प

सं० एम-13043/12/87 कृषि—प्रधान मंत्री कृषि मंत्रालय के कार्य संचालन की समीक्षा करते हुए सुझाव दिया कि कृषि और ग्रामी विकास कार्यक्रमों को पुनः कार्यान्वयन करने की आवश्यकता है। इस विषय पर 26 मई, 1987 को हुई सचिवों की समिति की बैठक में तथा योजना आयोग द्वारा 20 जुलाई, 1987 को उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक में फिर विचार-विमर्श किया गया। अतः यह निर्णय लिया गया कि देश के 15 कृषि जलवायु वाले क्षेत्र जो न कृषि आयोजन के स्तर का काम करेंगे।

2. इन विचार-विमर्शों के परिणामस्वरूप कृषि जलवायु वाले क्षेत्रों के आधार पर कृषि आयोजन को संचालित करने के लिये सदस्य (कृषि), योजना आयोग की अध्यक्षता में एक केन्द्रीय समिति स्थापित की गई है। केन्द्रीय समिति का गठन इस प्रकार है:—

- |                                     |         |
|-------------------------------------|---------|
| 1. सदस्य (कृषि)                     | अध्यक्ष |
| योजना आयोग                          |         |
| 2. सचिव (कृषि और सहकारिता)          | सदस्य   |
| 3. सचिव (पर्यावरण और वन)            | सदस्य   |
| 4. सचिव (कृषि अनुसन्धान तथा शिक्षा) | सदस्य   |
| 5. सचिव (योजना)                     | सदस्य   |
| 6. सचिव (व्यय)                      | सदस्य   |
| 7. सलाहकार (कृषि) योजना आयोग        | संयोजक  |

3. इस केन्द्रीय समिति के विचारार्थ विषय इस प्रकार हैं:—

- (1) 15 कृषि जलवायु सम्बन्धी क्षेत्रों के लिये कृषि योजना व्यवस्था करना।
- (2) योजना टीमों में से प्रत्येक टीम के लिये तकनीकी कृषि जलवायु सम्बन्धी अध्ययन करने के लिये अनुदेश और पृष्ठभूमि कागजात जारी
- (3) राज्य और राष्ट्रीय योजनाओं के साथ कृषि जलवायु सम्बन्धी क्षेत्रों की योजनाओं के एकीकरण के सिद्धान्तों पर कार्य करना;

(4) कृषि योजना को पशुपालन, मछली पालन, वन उद्योग, कृषि आधारित उद्योगों और सम्बन्धित क्षेत्रों से जोड़ना;

(5) क्षेत्रों के त्वरित कृषि विकास के लिये पूरे किये गये अध्ययनों/सर्वेक्षणों के निष्कर्षों पर आधारित उपयुक्त स्कीमों और नीतियों की सिफारिश करना; और

(6) कृषि जलवायु सम्बन्धी क्षेत्र के लिये योजना विषय से सम्बन्धित मामलों की जांच करना।

4. केन्द्रीय समिति, यदि ऐसा चाहे, तो विषय से सम्बन्धित विशेषज्ञों के अतिरिक्त सदस्यों के रूप में सहयोजित कर सकती है।

5. योजना टीम जो उपर्युक्त पैरा 3(1) (क्षेत्रीय स्तर पर) के अनुसार गठित की जानी है यदि आवश्यक समझे तो जांच किये जा रहे क्षेत्र को उप क्षेत्रों में विभाजित कर सकती है। दल के सदस्यों का दल की बैठक से संबंधित यात्रा भत्ते/महंगाई भत्ते से संबंधित व्यय, सदस्य जिस विभाग/मंत्रालय/राज्य सरकार के हों, द्वारा सरकारी सदस्यों की तरह ही वहन किया जायेगा और योजना आयोग द्वारा राष्ट्रीय समिति में सहयोजित किये गये सदस्यों पर किया गया व्यय ही वहन किया जायेगा। राज्य सरकारों के योजना विभाग इसी प्रकार का प्रबन्ध राज्य स्तर पर करने पर विचार कर सकते हैं। केन्द्रीय समिति से सम्बन्धित सभी पत्राचार समिति के संयोजक के नाम पर किया जाये। दल की देख-रेख का काम योजना आयोग के कृषि प्रभाग द्वारा किया जायेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष तथा सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

जगदीश चन्द्र डंगवाल,  
निदेशक (प्रशासन)

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

## (शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर, 1987

सं० एफ० 6-3/85 संस्कृत-II—अभारत सरकार ने वैदिक अध्ययनों की मौखिक परम्परा के परिरक्षण, संरक्षण और विकास के उद्देश्य से राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान नामक एक सोसायटी को गठित करने का निर्णय किया है, जिसके लिये प्रतिष्ठान विभिन्न गतिविधियाँ, जैसे पारम्परिक वैदिक संस्थाओं और अध्ययताओं को सहायता प्रदान करना, शिक्षा वृत्तियाँ प्रदान करना इत्यादि, आरम्भ करेगा। इसका सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1960 के XXI) के अन्तर्गत वर्ष 1987 की संख्या 17451 में पंजीकरण किया गया।

2. राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान की नियमावली के नियम 4 के अनुसार महा निकाय की संरचना, नियम, II के अनुसार शासी परिषद और नियम 19 और 21 के अनुसार सचिव और कोषाध्यक्ष निम्न प्रकार से होंगे :—

## महासभा का गठन

1. श्री पी० वी० नरसिंह राव अध्यक्ष  
मानव संसाधन विकास मंत्री
2. श्रीमती कृष्णा साही उपाध्यक्ष  
शिक्षा तथा संस्कृति राज्य मंत्री
3. श्री एस० पी० तुली कोषाध्यक्ष  
निदेशक, वित्त
4. परम्परागत वैदिक संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पाँच सदस्य :
  - (क) ओ० एम० सी० नारायणन, नम्बूदिरिपाद सचिव,  
ब्रह्मास्वाम माथम, त्रिचूर (केरल)।
  - (ख) श्री पी० सी० शर्मा  
गांधी बैस्ती,  
हाकी की दुकान के सामने  
गुवाहाटी-781003।
  - (ग) श्री ईश्वर भाई पटेल,  
अध्यक्ष,  
महर्षि वैदिक विज्ञान अकादमी  
36, हाई लेण्ड पार्क सोसायटी  
अहमदाबाद-15।
  - (घ) प्रो० आर० सी० द्विवेदी सदस्य  
उपाध्यक्ष,  
राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
  - (ङ) श्री रामेश्वर ठाकुर,  
एम० पी०, अखिल भारतीय वेद  
रक्षण निधि,  
15, रकाबगंज रोड, नई दिल्ली।

## 5. चार वै. क. अध्ययता :

- (क) श्री. खुर्से शास्त्री,  
प्रधानाचार्य,  
श्रीरंग वेद विद्यालय, श्रीरंगम  
(तमिलनाडु)।
- (ख) श्री साम्बा दीक्षित,  
प्रधानाचार्य,  
वेद विद्यालय, गोकारन (कर्नाटक)।
- (ग) गोदावरी वेंकटानरसिम्हा अवैधानी,  
पोन्टुमावरी, अग्राहारम,  
तेनाती (आन्ध्र प्रदेश)।
- (घ) श्री पट्टाभिराम शास्त्री,  
4/7, हनुमान घाट,  
वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
6. प्रो० डी० पी० चटोपाध्याय,  
अध्यक्ष,  
केन्द्रीय संस्कृत बोर्ड,  
25, पार्क मेन्सन स्ट्रीट, कलकत्ता।
7. भारत सरकार के तीन प्रतिनिधि :
  - (क) श्री किरीट जोशी विशेष-सचिव
  - (ख) श्री एस० पी० तुली,  
निदेशक, वित्त।
  - (ग) श्री लक्ष्मीधर मिश्र,  
संयुक्त शिक्षा सलाहकार (भाषा एवं प्रौढ़ शिक्षा)।
8. अध्यक्ष, टी० टी० देवस्थानम बोर्ड एवं संचालन  
समिति एच नं० 4-1-920, तिलक रोड, हैदराबाद-  
500001
9. शंकर अकादमी,  
17 ए/ डब्ल्यू० ई० ए० करोलबाग,  
नई दिल्ली का नामित व्यक्ति।
10. अध्यक्ष, भारतीय चतुर्थांश वेद भवन्यास स्वदेशी हाउस,  
सिविल लाईन्स, कानपुर तथा उनके नामित व्यक्ति।
11. डा० टी० एन० धर्माधिकारी,  
निदेशक, वैदिक संशोधन मंडल, पूना।
12. डा० मण्डन मिश्र,  
निदेशक, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान;  
ए-40, विशाल एनक्लेव, राजा गार्डन,  
नई दिल्ली-27।
13. सचिव, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र  
विज्ञान भवन एनेक्सी, नई दिल्ली-110011 अथवा  
उनके द्वारा नामित व्यक्ति।
14. इनमें से प्रत्येक का एक-एक प्रतिनिधि :—
  - (क) श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,  
नई दिल्ली :

- (ख) केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति
15. (क) डा० बी० एस० कुमार, कुलपति,  
के० एम० डी० संस्कृत विश्वविद्यालय,  
दरभंगा, (बिहार)
- (ख) श्री वी० वेंकटेश्वर, कुलपति,  
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय  
वाराणसी
- (ग) प्रो० वी० के० मोहन्ती,  
कुलपति,  
जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी और
- (घ) श्री आर० सी० शर्मा  
कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय  
हरिद्वार, अथवा उनके नामित व्यक्ति
16. निदेशक,  
विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान,  
पो० ओ० साधु आश्रम, होशियारपुर  
पंजाब, अथवा उनका नामित व्यक्ति
17. श्री आर० सी० त्रिपाठी,  
संयुक्त सचिव (संस्कृति)
18. प्रो० किरीट जोशी, सदस्य सचिव  
सचिव, राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान
19. उप शिक्षा सलाहकार सह सदस्य  
(ब) शासी परिषद का गठन
1. श्री पी० वी० नरसिंह राव अध्यक्ष
2. श्रीमती कृष्णा साही उपाध्यक्ष
3. श्री किरीट जोशी सदस्य सचिव
4. निदेशक वित्त कोषाध्यक्ष
5. भारत सरकार के दो प्रतिनिधि
- (क) विशेष सचिव
- (ख) वित्तीय सलाहकार
6. महासभा द्वारा नामित दो सदस्य
- (क) श्री आर० सी० त्रिपाठी,  
संयुक्त सचिव (संस्कृति)
- (ख) श्री लक्ष्मी धर मिश्र,  
संयुक्त शिक्षा सलाहकार,  
(भाषा एवं प्रौढ़ शिक्षा)
7. डा० मण्डन मिश्र,  
निदेशक, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
8. उप शिक्षा सलाहकार सह सदस्य  
लक्ष्मी धर मिश्र,  
संयुक्त शिक्षा सलाहकार

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1987

सं० एफ० 10-3/87-यू-5-भारतीय सामाजिक  
विज्ञान अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली की नियमावली और  
संघ के स्थापन के नियम 3 और 6 के अन्तर्गत, भारत सरकार  
ने निम्नलिखित सामाजिक वैज्ञानिकों को तत्काल से परिषद  
के सदस्यों के रूप में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई अवधि  
तक नामजद किया है :

1. डा० रविन्द्र कुमार, 31-3-1990 तक  
निदेशक,  
नेहरू संग्रहालय और पुस्तकालय,  
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली।
2. प्रो० यशपाल, 31-3-1990 तक  
अध्यक्ष,  
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,  
बहादुर शाह जफर मार्ग,  
नई दिल्ली।
3. प्रो० कृष्ण भारद्वाज, 31-3-1990 तक  
आर्थिक अध्ययन और आयोजना केन्द्र,  
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय,  
नया मेहरोली रोड, नई दिल्ली।
4. प्रो० सुभा चिटनिस, 31-3-1990 तक  
टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान,  
सिओन ट्राम्बे रोड,  
देवनार, बम्बई-400088

एस० के० सेनगुप्ता, अवर सचिव

कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1987

संकल्प

सं० 19-5/87-वि० क० III --कल्याण मंत्रालय,  
भारत सरकार को, विकलांगों के लिये कानून बनाने, विशेष  
कर सभी क्षेत्रों में विकलांगों के रोजगार के सांविधिक उप-  
बन्ध रखने के बारे में बहुत से अभ्यावेदन मिल रहे हैं।  
तत्कालीन समाज कल्याण मंत्रालय ने, विगत अवसरों पर,  
और साथ ही 1981 में एक कार्यकारी दल का गठन होने  
पर उसके द्वारा कुछ कानूनों को सिफारिश करने (जिसे  
सरकार ने नहीं माना) के समय भी, कानून बनाने के  
प्रश्न की जांच की थी। तथापि, विकलांगों के लिये कानून  
बनाने पर विचार करने की नई मांगों को ध्यान में रखते  
हुए, सरकार ने, सावधानी पूर्वक विचार करने के बाद,  
विकलांगों के कानून (विशेषकर विकलांगों के रोजगार हेतु)  
पर विचारार्थ एक समिति के गठन का निश्चय किया है।

## 2. समिति के विचारार्थ विषय ये हैं :—

- (क) यू० के० पश्चिम जर्मनी तथा जापान आदि जैसे अन्य देशों में विकलांगों के लिये वर्तमान कानूनों का अध्ययन करना।
- (ख) विधायी उपायों के अभाव में विकलांगों का होने वाली समस्याओं की जांच करना।
- (ग) विकलांगों के पुनर्वास के विभिन्न पहलुओं (विशेष कर मुक्त तथा प्रश्रययुक्त (शैलर्ड) रोजगारों में उनके आर्थिक पुनर्वास के परिप्रेक्ष्य में) को शामिल करने की सामान्य योजना के कार्यक्षेत्र तथा उद्देश्यों का विस्तार से आकलन करना।

13. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य मण्डल, नई दिल्ली सदस्य

14. श्री एम० एन० मेनन, संयुक्त सचिव,  
कल्याण मंत्रालय। सदस्य सचिव

3. समिति अपने गठन के 2 महीने की अवधि के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

4. समिति किसी भी सदस्य/सदस्यों का सहयोगित कर सकती है जो समिति की राय में पुनर्वास तथा/अथवा विधि के क्षेत्र में विशेषज्ञ/प्रतिष्ठित व्यक्ति हो।

5. सरकारी नियमों के अनुसार समिति के सर-सरकारी सदस्यों को पाला भत्ता/दैनिक भत्ता दिया जायेगा।

जैसा कि अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्णय लिया जायेगा, समिति की बैठक यथा संभव आयोजित की जायेगी।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह मंकल्प भारत के राजपत्र में सामान्य जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाये।

एम० एन० मेनन,  
संयुक्त सचिव

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1987

सं० क्यू/16012/1/85-डब्ल्यू० ई० (एन० एल० आई)—  
राष्ट्रीय श्रम संस्थान का पुनर्गठन दिनांक 22 नवम्बर, 1985 की अधिसूचना संख्या क्यू-16012/1/85-डब्ल्यू० ई० (एन० एल० आई०) के तहत अधिसूचित किया गया था।

अब उक्त अधिसूचना में, निम्नलिखित परिवर्तन किये जायेंगे:—

क्रमांक 4 की वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर अर्थात्  
“श्री वी० जी० गोपाल, प्रेजिडेंट,  
इण्डियन नेशनल मेटल वर्क फेडरेशन,  
17-क रोड, जमशेदपुर-831001।  
निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी :

“श्री पी० वी० शंकरा नारायणन, वाइस प्रेजिडेंट इण्टक  
आशा, अजवाबाटन, कोलीकट (केरल)।

ए० के० चन्दा, उप-सचिव

## समिति का गठन इस प्रकार होगा:—

- |  |         |
|--|---------|
| 1. श्री बहादुर इस्लाम, संसद सदस्य  | अध्यक्ष |
| 2. विधि मंत्रालय, श्रम मंत्रालय तथा कर्मिक और प्रशिक्षण विभाग के)                        | सदस्य   |
| 3. और  |         |
| 4. प्रतिनिधि (संयुक्त सचिव से निम्न ओहदे के नहीं)  | सदस्य   |
| 5. श्री आर० टी० ब्यास, राष्ट्रीय नेत्रहीन संस्थान, बम्बई                                 | सदस्य   |
| 6. श्री एस० के० खंडा, राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ, नई दिल्ली।                                 | सदस्य   |
| 7. कु० सुरेन्द्र सैनी, अध्यक्ष, अखिल भारतीय बधिर संघ, नई दिल्ली।                         | सदस्य   |
| 8. श्री ठाकुर विष्णु हरि प्रसाद, अध्यक्ष, ठाकुर हरि प्रसाद मन्द बुद्धि संस्थान, हैदराबाद | सदस्य   |
| 9. श्रीमती वासन्ती ए० पाई, अध्यक्ष, मन्दबुद्धि कल्याण संघ, नई दिल्ली                     | सदस्य   |
| 10. श्री डी० जे० के० कॉर्निलियस, उपाध्यक्ष, तमिलनाडु स्पाटिक्स सोसायटी, मद्रास           | सदस्य   |
| 11. श्रीमती उमातुली, अमर ज्योति ट्रस्ट, नई दिल्ली।                                       | सदस्य   |
| 12. अध्यक्ष, फिक्की, नई दिल्ली   | सदस्य   |

## PLANNING COMMISSION

New Delhi-110 001, the 27th November 1987

## RESOLUTION

No. M-13043/12/87-Agri.—The Prime Minister while reviewing the working of the Ministry of Agriculture suggested that Area Specific Re-orientation needs to be given to the programmes of Agriculture and Rural Development. This subject was further discussed in a meeting of the Committee of Secretaries on the 26th May, 1987 and by the Planning Commission in a meeting held under the chairmanship of Deputy Chairman on 20th July, 1987. It was, therefore, decided that 15 agro-climatic zones of the country should serve as the level of agricultural planning.

2. As a result of these deliberations a Central Committee has been set up under the chairmanship of Member (Agri.), Planning Commission for organising Agricultural Planning on the basis of Agro-climatic Regions. The composition of the Central Committee is as follows :—

*Chairman*

1. Member (Agriculture),  
Planning Commission

*Members*

2. Secretary (Agriculture & Cooperation)
3. Secretary (Environment & Forests)
4. Secretary (Agricultural Research & Education)
5. Secretary (Planning)
6. Secretary (Expenditure)

*Convenor*

7. Adviser (Agri.), Planning Commission.

3. The terms of reference of this Central Committee are as follows :

- (i) to organise agricultural planning systems for the 15 Agro-climatic Zones;
- (ii) issue instructions and background papers to conduct techno-agro-climatic studies for each of the planning teams;
- (iii) to work on principles of integration of plan. of the agro-climatic region with State and National Plans;
- (iv) to integrate agricultural planning with animal husbandry, fisheries, forestry, agro-based industries and allied sectors;
- (v) to recommend appropriate schemes and policies based on the findings of the studies/surveys completed, for the rapid agricultural development of the regions; and
- (vi) to examine matters related to the subject of planning for agro-climatic regions.

4. The Central Committee may, if it so desire, coopt experts on the subject as additional Members

5. The planning teams to be set up in terms of para 3(i) above (at the regional level) may if necessary, sub-regionalize the area being examined. The expenditure on TA/DA of the members of the Group in connection with the meetings of the Group will be borne in respect of official members by the Departments/Ministries/State Governments to which the Members belong and by the Planning Commission for coopted members of the National Committee. Planning Departments at the State level may consider making similar arrangements at the State level. All correspondence regarding the Central Committee may be addressed to the Convenor of the Committee. The Group will be serviced by the Agriculture Division, Planning Commission.

## ORDER

ORDERED also that the Resolution be published in the to the Chairman and Members of the Central Committee, all Ministries and Departments of Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

J. C. DANGWAL, Director (Adm.)

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT  
DEPARTMENT OF EDUCATION

New Delhi, the 7th December 1987

No. F.6-3/85-SKT.2.—The Government of India decided to constitute a Society, namely, Rashtriya Veda Vidya Pratishthan with the object to preserve, conserve and develop the oral tradition of vedic studies for which the Pratishthan will undertake various activities, such as, support traditional vedic institutions and scholars, provide fellowships, scholarships etc. It has been registered under the Societies Registration Act, 1860 (XXI 1860) Nos. 17451 of 1987.

2. The constitution of the general body in terms of rules-4, Governing Council in terms of rule-11 and the Secretary and Treasurer in terms of rules 19 & 21 of the rules of Rashtriya Veda Vidya Pratishthan will be as follows :—

*A. Composition of the General Body**Chairman*

1. Sh. P. V. Narasimha Rao,  
Minister of Human Resource Development.

*Vice-Chairman*

2. Smt. Krishna Sahi,  
Minister of State for Education & Culture

*Treasurer*

3. Shri S. P. Tuli,  
Director, Finance.

*Members*

4. Five Members representing traditional Vedic Institutions :—

- (a) Sh. O. M. C. Namboodiri,  
Secretary, Brahmawam Matham,  
Trichur (Kerala).
- (b) Sh. P. C. Sharma,  
Gandhi Basti, Opp. Dowka's Shop,  
Guwahati-781003.
- (c) Sh. Ishwar Bhai Patel,  
Chairman, Maharishi Academy of  
Vedic Science, 36, High Land  
Park Society, Ahmedabad-15.
- (d) Prof. R. C. Dwivedi,  
Vice-Chairman, Rajasthan  
Skt. Academy, Jaipur.
- (e) Sh. Rameshwar Thakur,  
M.P. Akhil Bharatiya Veda  
Rakshan Nidhi, 15, Rakab Ganj Road,  
New Delhi.

*5. Four Vedic Scholars :*

- (a) Sh. Raghu Ram Shastri,  
Principal, Shrauta Vidyalaya,  
Srirangam, Tamil Nadu.
- (b) Shri Samba Dixit,  
Principal, Ved Vidyalaya,  
Gokaran (Karnataka).
- (c) Godavari Venkatanarsimha Avedhani,  
Pontumavari, Agraharam,  
Tenali (A.P.).
- (d) Shri Pattabhiram Shastri,  
4/7, Hanuman Ghat, Varanasi.

6. Prof. D. P. Chattopadhyaya,  
Chairman, Central Sanskrit Board,  
25, Park Mansions Street, Calcutta.

## 7. Three representatives of Government of India.

- (a) Shri Kireet Joshi, Spl. Secretary.
- (b) Shri S. P. Tuli, Director, Finance.
- (c) Shri L. Mishra, Joint Educational Adviser (AE&L).

## 8. Chairman, T. T. Devasthanam Board &amp; Management Committee, H.No. 4-1-920, Tilak Road, Hyderabad-500001. or his nominee.

## 9. Nominee of Shankar Academy of Sanskrit Culture and Classical Arts, 17A/WEA Karol Bagh, New Delhi-110005.

## 10. Chairman, Chaturdham Veda Bhavayus or his nominee, Swadeshi House, Civil Lines, Kanpur.

## 11. Dr. T. N. Dharmadhikari, Director, Vedic Sanshodhan Mandal, T. V. Nagar, Poona.

## 12. Dr. Mandan Mishra, Director, Rashtriya Skt. Sansthan, A-40, Vishal Enclave, Raja Garden, New Delhi.

## 13. Secretary, Indira Gandhi National Centre for Arts, Vigyan Bhavan Annexe, New Delhi-110011.

## 14. One representative each of :—

## (a) Shri Lal Bahadur Shastri Kendriya Skt. Vidyapeetha, New Delhi.

## (b) Kendriya Sanskrit Vidyapeeth, Tirupathi.

## 15. (a) Dr. B. S. Kumar, Vice-Chancellor, K. S. D. Skt. University, Darbhanga (Bihar).

## (b) Shri V. Venkatachalam, Vice-Chancellor, Sampurnanand Skt. Vishwavidyalaya, Varanasi.

## (c) Prof. B. K. Mohanty, Vice-Chancellor, Jagannath Skt. University, Puri and

## (d) Shri R. C. Sharma, Vice-Chancellor, Gurukul Kangari Vishwavidyalaya, Haridwar or their nominee.

## 16. Director, Vishveshwaranand Vedic Research Institute, P.O. Sadhu Ashram, Hoshiarpur, Punjab or his nominee.

## 17. Shri R. C. Tripathi, Joint Secretary (Culture).

## 18. Prof. Kireet Joshi, Rashtriya Veda Vidya Pratishthan, Member Secretary.

## 19. D. E. A. (SKT), Associate Member.

## B. Composition of the Governing Council

## 1. Shri P. V. Narasimha Rao—Chairman.

## 2. Smt. Krishna Sahi—Vice-Chairman.

## 3. Shri Kireet Joshi—Member Secretary.

## 4. Director, Finance—Treasurer.

## 5. Two representatives of the Government of India

## (a) Special Secretary

## (b) Financial Adviser.

## 6. Two members nominated by General Body

## (a) Shri R. C. Tripathi, Joint Secretary (Culture)

## (b) Shri L. Mishra, Joint Educational Adviser (AE&amp;L).

## 7. Dr. Mandan Mishra, Director, Rashtriya Skt. Sansthan.

## 8. DEA (SKT)—Associate Member.

LAKSHMI DHAR MISHRA  
Joint Educational Adviser (A.E.&L).

New Delhi, the 11th December 1987

No. F.10-3/87-UL5.—Under Rules 3 and 6 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, the Government of India has nominated the following social Scientists as members of the Council with immediate effect upto the period indicated against each :—

1. Dr. Ravindra Kumar, Upto 31-3-1990.  
Director,  
Nehru Museum and Library,  
Teen Murti House, New Delhi.

2. Prof. Yash Pal, Upto 31-3-1990  
Chairman,  
University Grants Commission,  
Bahadurshah Zafar Marg,  
New Delhi.

3. Prof. Krishna Bharadwaj, Upto 31-3-1990.  
Centre for Economic Studies and  
Planning,  
Jawaharlal Nehru University,  
New Mehrauli Road,  
New Delhi.

4. Prof. Suma Chitnis, Upto 31-3-1990.  
Tata Institute of Social Sciences,  
Sion-Trombay Road,  
Deonar,  
Bombay-400088.

S. K. SENGUPTA, Under Secy.

## MINISTRY OF WELFARE

New Delhi, the 27th November 1987

## RESOLUTION

No. 17-5/87-HW.III.—Ministry of Welfare, Government of India, have been receiving number of representations regarding bringing about legislation for the handicapped, specially for having statutory provisions for employment of the handicapped in all sectors. The question of legislation have been examined by the erstwhile Ministry of Social Welfare on earlier occasions also when a Working Group set up in 1981 recommended certain legislation which were not accepted by the Government. However, taking in view the fresh demands for considering the legislation for the handicapped, the Government of India after careful consideration have decided to set up a Committee to consider legislation for the handicapped, specially for the employment of the handicapped.

2. The terms of reference of the Committee are as follows :—

(a) To study the existing legislation for the handicapped in other countries like UK, West Germany and Japan etc.

(b) To examine the problems faced by the disabled in the absence of legislative measures.

(c) To work out in detail the scope, the objective and general scheme of legislation for the handicapped covering the various aspects of the rehabilitation of the handicapped specially with reference to their economic rehabilitation in their open and sheltered employment.

The composition of the Committee shall be as follows :—

## Chairman

(1) Shri Baharul Islam,  
Member of Parliament.

(2).

(3) and

(4) Representatives of Ministries of Law, Labour and Department of Personnel and Training (not below the rank of Joint Secretaries). Member

*Members*

- (5) Shri R. T. Vyas,  
National Association for the  
Blind, Bombay.
- (6) Shri S. K. Rungta,  
National Federation of the Blind,  
New Delhi.
- (7) Miss Surrender Saini,  
President, All India Federation  
of the Deaf, New Delhi.
- (8) Shri Thakur V. Hari Prasad,  
President, Thakur Hari Prasad,  
Institute for the Mentally  
Retarded, Hyderabad.
- (9) Smt. Vasanthi A. Pai,  
President,  
Federation for the Welfare  
of the Mentally  
Retarded,  
New Delhi.
- (10) Shri DJK Cornilicus,  
Vice-President,  
Spastic Society of Tamilnadu,  
Madras.
- (11) Smt. Uma Tuli,  
Amar Jyoti Trust,  
New Delhi.
- (12) Chairman,  
Federation of Indian Chamber  
of Commerce & Industries  
New Delhi.
- (13) Chairman,  
Indian Chambers of Commerce,  
New Delhi.

*Member-Secretary*

- (14) Shri S. N. Menon,  
Joint Secretary,  
Ministry of Welfare.

3. The Committee shall submit its report within a period of two months of its Constitution.

4. The Committee may co-opt any member/members who in the opinion of the Committee is an expert/person of eminence in the field of rehabilitation and or law.

5. TA/DA shall be admissible to the non-official members of the Committee as per the Government rules.

6. The Committee shall meet as often as possible and as may be decided by the Chairman.

**ORDER**

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. N. MENON  
Jt. Secy.

**MINISTRY OF LABOUR**

New Delhi, the 10th December 1987

No. Q-16012/1/85-WE(NLI).—Whereas reconstitution of the National Labour Institute was notified vide Notification No. Q-16012/1/85-WE(NLI) dated the 22nd November, 1985.

NOW in the said Notification, the following changes may be made :—

For the existing entry against serial No. 4 viz :—

"Shri V. G. Gopal,  
President,  
Indian National Metal Workers Federation,  
17 K Road, Jamshedpur-831 001."

The following entry shall be substituted :—

"Shri P. V. Sankaranarayanan,  
Vice President—INTUC,  
Asha, Azhavatom,  
Calicut (Kerala)".

A. K. CHANDA  
Dy. Secy.

